चिंताओं को दूर करना: मोदी की यात्रा और भारत-श्रीलंका संबंध

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का श्रीलंका की यात्रा (4-6 अप्रैल), उनकी 2019 के बाद की पहली यात्रा, ने दोनों देशों के बीच घनिष्ठ संबंधों को केवल प्रदर्शन से परे दर्शाया। यह यात्रा जनता विमुक्ति परिषद (जेवीपी) नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनशक्ति (एनपीपी) सरकार के सत्ता में आने के बाद हुई, जिसमें अनुर कुमार डिसानायके ने सितंबर 2024 में राष्ट्रपति चुनाव जीता।

जेवीपी के भारत-विरोधी रुख के कारण संभावित ठंडे संबंधों की चिंताओं के बावजूद, कोलंबो ने महत्वपूर्ण राजनयिक इशारों और समझौतों के माध्यम से नई दिल्ली के साथ संबंध सुधारने के लिए गंभीर प्रतिबद्धता दिखाई।

by OJAANK IAS

राजनीतिक संबंधों को मजबूत करना

सर्वोच्च सम्मान प्रदान किया गया

श्रीलंका ने प्रधानमंत्री मोदी को विदेशी नेताओं के लिए अपना सर्वोच्च सम्मान प्रदान किया, जो राजनीतिक सद्भावना का संकेत है।

रक्षा सहयोग

रक्षा सहयोग पर एक ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, जिसे द्विपक्षीय संबंधों में पहला ऐसा समझौता माना जा रहा है।

सुरक्षा आश्वासन

राष्ट्रपति डिसानायके ने भारत की सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता के खिलाफ अपने क्षेत्र का उपयोग नहीं करने का संकल्प दोहराया।

सुरक्षा चिंताएं और प्रतिबद्धताएं

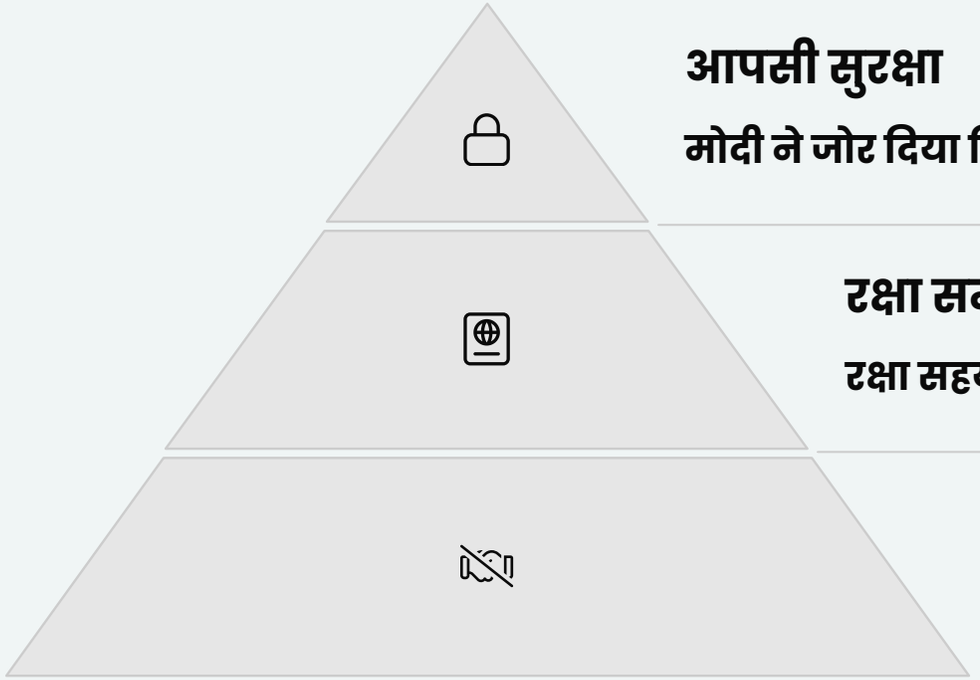

आपसी सुरक्षा

मोदी ने जोर दिया कि दोनों देशों की सुरक्षा आपसी रूप से जुड़ी हुई है

रक्षा समझौता

रक्षा सहयोग में औपचारिक व्यवस्थाएं

ऐतिहासिक प्रतिबद्धताएं

बंदरगाह उपयोग के बारे में 1987 के समझौते पर आधारित

प्रधानमंत्री मोदी ने रक्षा समझौते के पीछे के तर्क को कहा कि "दोनों देशों की सुरक्षा आपसी रूप से जुड़ी हुई और परस्पर निर्भर है।" जबकि यह समझौता रक्षा सहयोग में कुछ व्यवस्थाओं को औपचारिक रूप देता है, यह NPP व्यवस्था के लिए है कि वह इस क्षेत्र में श्रीलंका की वास्तविक मंशा को प्रदर्शित करे।

श्रीलंका इस बात से अवगत है कि यहां तक कि 1987 के समझौते में भी, तृतीय देशों द्वारा भारत के खिलाफ सैन्य उद्देश्यों के लिए त्रिकोणामल या अन्य श्रीलंकाई बंदरगाहों का उपयोग नहीं करने के बारे में, भारत की सुरक्षा चिंताओं को पूरी तरह से दूर नहीं किया गया है।

मछुआरों के मुद्दे को संबोधित करना

विस्तृत चर्चाएं

मोदी के दौरे में तमिलनाडु के लिए महत्वपूर्ण मछुआरों के मुद्दे पर व्यापक वार्ताएं शामिल थीं।

समुदाय संवाद

पाक खाड़ी के दोनों पक्षों के मछुआरों के बीच हाल ही में हुई बैठक में विचारों का आदान-प्रदान किया गया।

भविष्य का संलग्नता

स्थायी समाधान बनाने के लिए सरकारी अधिकारियों के पर्यवेक्षण में अनुवर्ती वार्ताओं की आवश्यकता है।

मछुआरों का मुद्दा तमिलनाडु के लिए महत्वपूर्ण बना हुआ है। यह एक सकारात्मक संकेत था कि मोदी के दौरे के दौरान विस्तृत चर्चाएं हुईं। सार्थक प्रगति के लिए, इन प्रारंभिक वार्ताओं को दोनों देशों के मछुआरों के समुदायों के बीच पूर्ण चर्चा को प्रेरित करना चाहिए, जिसमें सरकारी अधिकारी प्रक्रिया पर देखरेख करें।

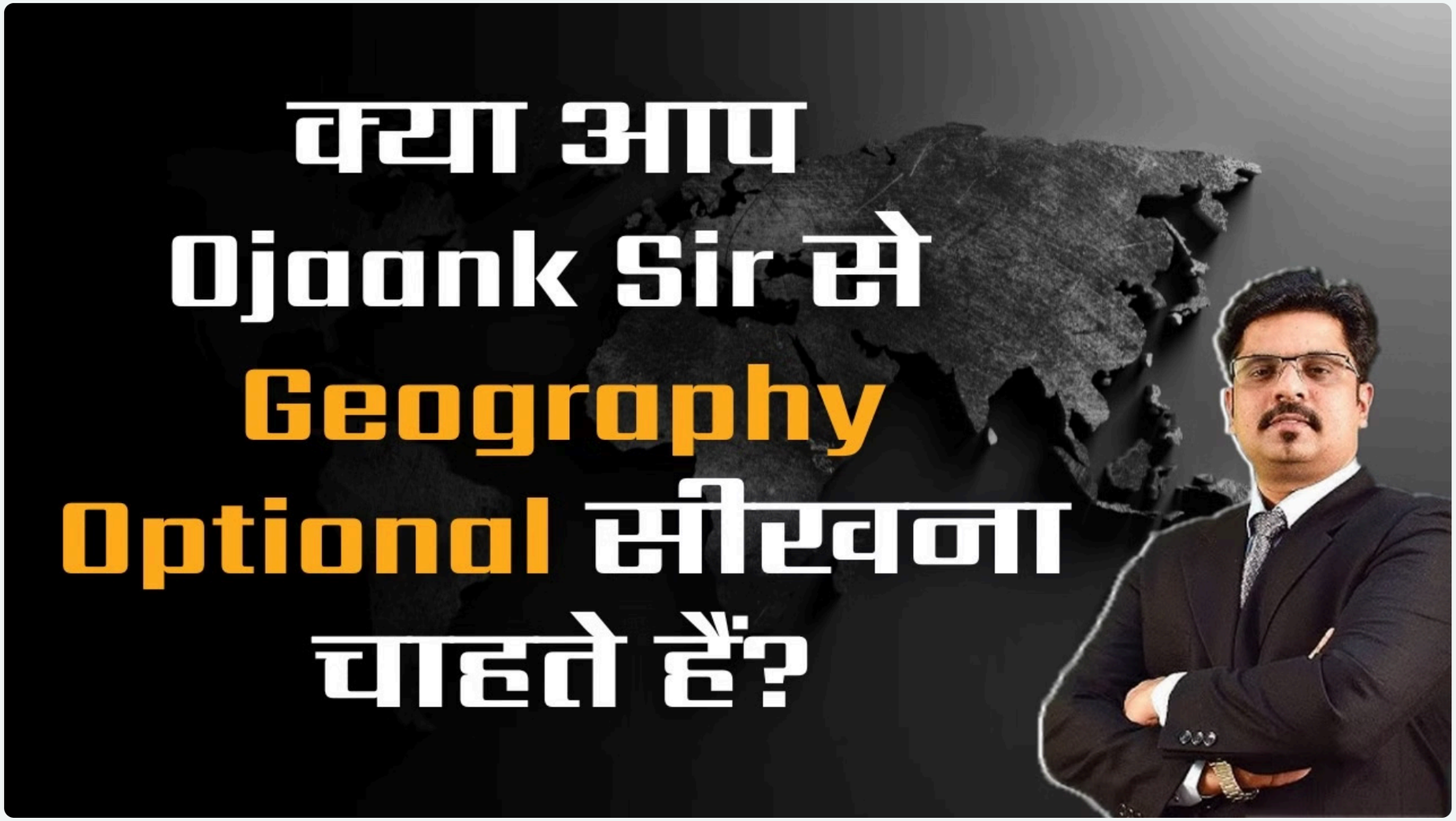

क्या आप UPSC में Geography Optional लेना चाहते हैं? तो जुड़िए Ojaank Sir से – जिनका पढ़ाया हुआ हज़ारों छात्रों की पहली पसंद रहा है!

Fill the admission form:- https://forms.gle/VWwCtrJJxQkLDJwt6

अब बारी आपकी है सफलता की दिशा में एक सही कदम बढ़ाने की! 🚀 जल्दी करें – Limited Seats Available!

तमिल पार्टियां और राजनीतिक समझौता

इंडो-लंका समझौते की मान्यता

तमिल पार्टियों ने राजनीतिक समझौते प्राप्त करने के अपने प्रयासों में 1987 के इंडो-लंका समझौते के महत्व को स्वीकार किया।

भारत की भागीदारी का अनुरोध

उन्होंने समाधान प्राप्त करने में भारत की "वैध भागीदारी" की मांग की, भारत की ऐतिहासिक भूमिका को मान्यता देते हुए।

प्रांतीय परिषदें

समझौते ने प्रांतीय परिषदों की स्थापना के लिए मार्ग प्रशस्त किया, जो विकेंद्रीकरण का एक उपाय था, हालांकि कार्यान्वयन के प्रति समर्थन अस्थिर रहा है।

इस यात्रा का एक महत्वपूर्ण परिणाम यह था कि तमिल पार्टियों ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ बैठक में 1987 के इंडो-लंका समझौते की मान्यता व्यक्त की, ताकि तमिलों के लिए एक राजनीतिक समझौता प्राप्त किया जा सके। उन्होंने इस प्रक्रिया में भारत की "वैध भागीदारी" की मांग की।

श्रीलंका में समाधान में भारत की भूमिका

निष्पक्ष पर्यवेक्षक

भारत को श्रीलंका के आंतरिक राजनीति में संतुलित दृष्टिकोण बनाए रखना चाहिए

आर्थिक सहायता

युद्ध-प्रभावित उत्तरी और पूर्वी प्रांतों के लिए उदार आर्थिक सहायता प्रदान करें

संवाद सुविधा

विभिन्न समुदायों के बीच रचनात्मक वार्ताओं का समर्थन करें

लोकतांत्रिक प्रक्रिया

हितधारकों को सहमति के लिए लोकतांत्रिक साधनों का अनुसरण करने के लिए प्रोत्साहित करें

श्रीलंका के भीतर भी आलोचना रही है कि कई पक्षों ने समझौते का पूरी तरह से समर्थन नहीं किया था, जिसने प्रांतीय परिषदों को एक विकेंद्रीकरण उपाय के रूप में स्थापित किया था। नई दिल्ली युद्ध-प्रभावित उत्तरी और पूर्वी प्रांतों के लिए आर्थिक सहायता प्रदान करके एक रचनात्मक भूमिका निभा सकता है, जबकि एक निष्पक्ष पर्यवेक्षक के रूप में अपनी स्थिति बनाए रखता है।

JVP और भारत संबंधों का ऐतिहासिक संदर्भ

ऐतिहासिक भारत-विरोधी रुख

JVP ने ऐतिहासिक रूप से भारत-विरोधी रुख अपनाया था, जिससे उनके सत्ता में आने के बाद संभावित ठंडे संबंधों की चिंता पैदा हुई।

चुनावी जीत

दो महीने बाद हुए संसदीय चुनावों में NPP की दर्दनाक जीत ने उनकी राजनीतिक स्थिति को मजबूत कर दिया।

नीतिगत परिवर्तन

वर्तमान JVP नेतृत्व ने अंतर्राष्ट्रीय संबंधों, विशेषकर भारत के साथ, एक व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाया है।

नया अध्याय

मोदी की यात्रा ऐतिहासिक तनावों को दूर करने और आगे की दिशा में संबंधों को बनाने का एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

भारत-श्रीलंका संबंधों का भविष्य

रक्षा सहयोग को लागू करना

नए हस्ताक्षरित समझौते को ऐसे कार्रवाई में बदलना जो पारस्परिक सुरक्षा चिंताओं को संबोधित करें और संप्रभुता का सम्मान करें।

मछुआरों के विवादों को सुलझाना

दोनों पक्षों के मछली पकड़ने वाली समुदायों के लिए स्थायी समाधान बनाने के लिए समुदाय स्तर पर जारी वार्ता के माध्यम से लचीला दृष्टिकोण अपनाना।

तमिल राजनीतिक समाधान का समर्थन

भारत आर्थिक सहायता प्रदान करते हुए, सभी हितधारकों के बीच लोकतांत्रिक सहमति निर्माण के लिए प्रोत्साहित करता है।

भारत-श्रीलंका संबंधों के लिए आगे का रास्ता प्रतीत होता है, इतिहास की चिंताओं के बावजूद। औपचारिक रक्षा सहयोग समझौते, मछुआरों के मुद्दे पर चल रही वार्ता और भारत का संतुलित दृष्टिकोण आंतरिक राजनीतिक समाधानों के प्रति, दोनों देशों को पारस्परिक सम्मान और साझा हितों पर आधारित मजबूत संबंध बनाने का अवसर प्रदान करता है।

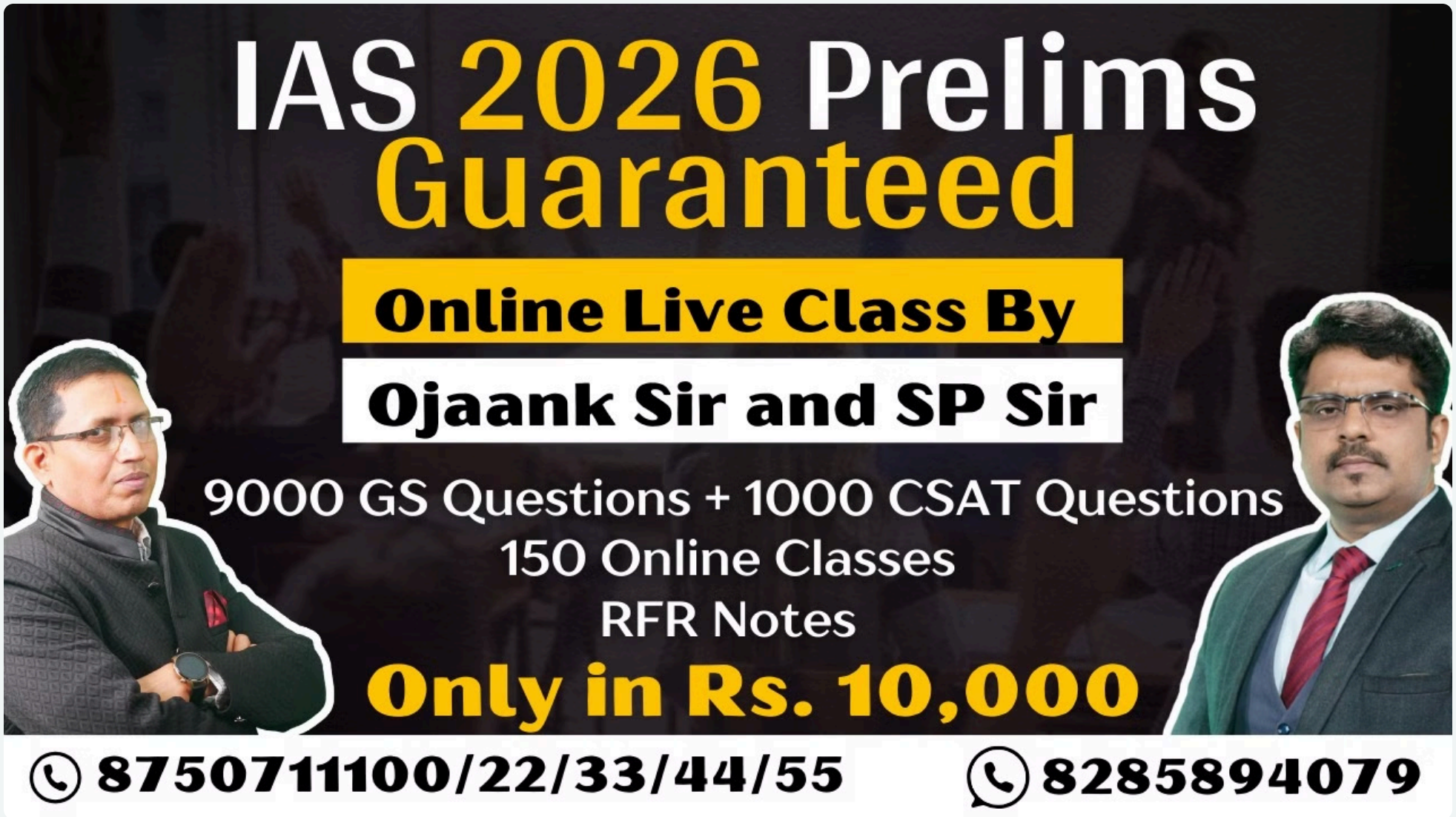

IAS 2026 Prelims की तैयारी अब होगी Guaranteed के साथ! 🔥📚
Ojaank Sir और SP Sir की Online Live Classes में मिलेगा Top Level Guidance✅

💡 **9000 GS Questions**
💡 **1000 CSAT Questions**
💡 **150 Online Live Classes**
💡 **RFR Notes**

💥 **ये सब कुछ सिर्फ ₹10,000 में! सपना नहीं अब रियलिटी बनेगा IAS बनना! 🚀**

Download Ojaank App Now Link :- https://play.google.com/store/apps/details?id=com.ojaank

Course Link - https://ojaankias.akamai.net.in/new-courses/518

📢 **Limited Seats | पहले आओ पहले पाओ**

Ojaank IAS में Admission लेने लिए दिए गए link पर Click करके Form भरें -
https://docs.google.com/forms/d/1PzN1wR9JewyqDUCQY4kP60HuoefjYTVnmIL69PIRmxc/edit

अधिक जानकारी के लिए तुरंत Call करें :- 8750711100/22/33/44/55

👉🏻 **Ojaank Sir के साथ सीधा Whatsapp से जुड़ें : 8285894079**